|  |
| --- |
| **होटल प्रबन्ध और खानपान प्रौद्योगिकी संस्थान**  **(पर्यटन मंत्रालय के अधीन का स्वायत्त निकाय), भारत सरकार,**  **कोवलम, तिरुवनन्तपुरम – 695 527**, केरल  C:\Users\Admin\Desktop\emblem.jpg  (**हिन्दी ई-पत्रिका)**  **अंकः प्रथम माहः 03/2018** |
| **INSTITUTE OF HOTEL MANAGEMENT & CATERING TECHNOLOGY**  **(An Autonomous Body under Ministry of Tourism), Government of India,**  **KOVALAM, THIRUVANANTHAPURAM - 695 527**, KERALA |

|  |
| --- |
| **अतिथि देवो भवः**  **अंकः प्रथम माहः 03/2018**  **C:\Users\Admin\Desktop\emblem.jpg**  संरक्षकः  **श्री एल.वी. कुमार**  प्रधानाचार्य  सलाहकारः  **श्री ई नारायण शर्मा**  लेखाकार/प्रभारी प्रशासनिक एवं ले.अ  सम्पादकः  **श्रीमती गिरिजा कुमारी डी.टी.**  गस्ट फैकल्टी(हिन्दी)  संयोजकः  **श्री सुनिल कुमार**  सहायक व्यख्याता सदस्यः  **श्रीमती षीला**  लाईब्रेरियन |
| **इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं से सम्पादक मण्डल से कोई संबंध नहीं है ।** |

|  |
| --- |
| C:\Users\Admin\Desktop\emblem.jpg  एल.वी. कुमार  **होटल प्रबन्ध और खानपान प्रौद्योगिकी संस्थान**  प्रधानाचार्य **(पर्यटन मंत्रालय के अधीन का स्वायत्त निकाय),**  **भारत सरकार, कोवलम, तिरुवनन्तपुरम – 27**    **संरक्षक की ओर से**  होटल प्रबन्ध और खानपान प्रौद्योगिकी संस्थान, कोवलम, तिरुवनन्तपुरम की पहली हिन्दी गृह **“ई-पत्रिका”** आपके सामने प्रस्तुत करते हुए अतीव प्रसन्नता हो रही है ।  राजभाषा हिन्दी के सुचारू प्रयोग के लिए तथा गृह मंत्रालय के अनुदेशों का अनुपालन करने केलिए शूरू हुआ यह कदम सफल बनाने के लिए मदद किए गए आप सबको मेरा हार्दिक साधुवाद प्रस्तुत करता हूँ ।  आपसे अनुरोध है कि आई.एच.एम.सी.टी.का यह **“ई-पत्रिका”** पढें, मजा लें , मार्गदर्शन दें तथा अभ्युक्तियाँ अग्रेषित करें ।  (ह0)  (एल.वी. कुमार )  प्रधानाचार्य  **सम्पादकीय.......................**  यह अत्यंत गर्व की बात है कि होटल प्रबन्ध और खानपान प्रौद्योगिकी संस्थान, कोवलम, तिरुवनन्तपुरम की पहली हिन्दी गृह **“ई-पत्रिका”** तैयार करने का काम मुझे मिला है । अल्प समय से निर्मित यह ई-पत्रिका में अधिकतम स्टाफ तथा छात्रों के लेख सम्मिलित नहीं कर पाई । इस पत्रिका के प्रकाशन में कोई भूल - चूक हो गई है तो, इसे सुधार करने की कीशिश करें ।  यह **“ई-पत्रिका”** आपके मन के विचारों को प्रकट करने का माध्यम होगा । आपके मार्गदर्शन की प्रतीक्षा में ,  (ह0)  गिरिजा कुमारी डी.टी.  हिन्दी फैकल्टी |

|  |
| --- |
| **अमूल्य हमारी स्वतंत्रता**  भारत के स्वतंत्रता संग्राम के नेता बाल गंगाधर तिलक  ने कहा - “**स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं उसे लेकर रहूँगा ।”**  मुझे ऐसे लगता है कि जन्म से हम स्वतंत्र होते हैं, बाद में पारिवारिक, सामाजिक तथा नैतिक कारणों से पूर्णतः स्वतंत्र नहीं है । ऐसी स्थिति है, हमारे राष्ट्र की भी । वंदे मातरम् और इंकलाब जिंदाबाद की गर्जना करते हुए फांसी के फंदे पर झूले गए अनेक वीर देशप्रेमियों के महत्वपूर्ण योगदान से प्राप्त आजादी अमूल्य है क्योंकि इस आजादी में इनके संघर्ष, त्याग तथा बलिदान समाहित है । इकहत्तर(71) वर्ष होने पर भी हमारा राष्ट्र आंतरिक और बाहरी दुष्ट शक्तियों के भौतिक तथा धार्मिक कुबुद्धियों से पूर्ण स्वतंत्र नहीं है । पूर्ण स्वतंत्रता पाने के लिए प्रत्येक नागरिकों और युव पीढ़ियों को अपने मूल कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्यों की जानकारी प्रदान करना अनिवार्य है । तभी राष्ट्र शिल्पियों का पूर्ण स्वराज की सपना पूर्ण होगा । लेकिन हमारे कर्तव्यों को निभाने के लिए सरकार द्वारा पूर्ण समर्थन तथा उपाय देने पर भारत के तिरंगे कोने - कोने में फहराने का अवसर प्राप्त होंगा ।  जय हिन्द जय भारत ।  साबू आन्टणी,  कार्यालय अधीक्षक |

|  |
| --- |
| **ईश्वर की अपनी भूमि**  **(God’s Own Country)**  **गोकर्ण से दक्षिण की ओर,**  **सह्याद्रि से अरब सागर तक,**  **फैली है परशुराम की सृष्टि,**  **अब कासरगोड से पारशाला तक ।**  **यहाँ है, केरवृक्ष की समृद्धि,**  **यहाँ है, मलयज मारुत का सुगन्ध,**  **यहाँ है, हरियाली का सौन्दर्य**  **यहाँ है, बारिश का रिम-झिम, रिम-झिम आवाज़ ।**  **नदियाँ, लगून, इस धरती की विशेषता,**  **काजू, एलाइची, इस राज्य का महक,**  **कथकली, मोहिनियाट्टम इस राज्य का नृत्य**  **ओणम, ईद, ईस्टर इस राज्य का त्योहार ।**  **श्री शास्ता-वावर के मंदिर- मस्जिद,**  **ईसा के मलयाट्टूर गिरजाघर जैसे,**  **पुण्यस्थलों से सुरक्षित है, यह भूमि,**  **पावन-परिपावन इसकी कण-कण, तृणृ-तृण ।**  **कोवलम – वेली जैसे समुद्र-तट से ,**  **तेक्कडी-कुमरकम जैसे अभयारणय से ,**  **वेंबनाडु-अष्टमुडी जैसी लगूनों से**  **सुसज्जित , सुशोभित यह भूमि,**  **कहते हैं इसे देशी-परदेशी,**  **“ईश्वर की अपनी भूमि”**  **“God’s Own Country”**  **गिरिजा कुमारी डी.टी.,**  **गस्ट फैकल्टी(हिन्दी)** |
| **पराजय , विजय की सीढ़ी**  असफल तब होते हैं, जब आप एक और कोशिश करना छोड़ देते हैं जबकि बड़ी सफलता हमें बड़ी मुश्किलों के बाद मिलती है । इसलिए यदि आप अपने किसी लक्ष्य को हासिल करने में बार-बार असफल हो रहे हैं, तो इसका मतलब यही है कि आपका लक्ष्य बहुत ज्यादा विशेष व मुख्य है इसलिए आसानी से पूरा नहीं हो पा रहा है ।  अमिताभ बच्चन की पहली Super Hit Film जंजीर आने से पहले उनकी लगातार 17 फिल्में Super Flop हुई थीं ।  9999 बार प्रयोग असफल होने के बाद तोमस आल्वा एडिसन ने Bulb का आविष्कार करने में सफलता पाई थी।  श्री के.आर नारायण मूर्ति 1981 में Infosys की स्थापना करने से पहले 1976 में Softronics नाम की कम्पनी स्थापित करने की असफल कोशिश कर चुके थे।  1998 में Ratan Tata द्वारा शुरू की गई Tata Indica Car एक असफल परियोजना था । इस कार को कोई खरीदना नहीं चाहता था । इसलिए रतन टाटा ने Indica के पूरे Plant को बेचने का निर्णय किया । बहुत कोशिश करने के बाद Ford Company के अध्यक्ष ने Tata Indica Plant को खरीदने में रूचि दिखाई लेकिन रतन टाटा के साथ उनका व्यवहार काफी Insulting था । उनका कहना था-  “जब आप Car Business को समझते नहीं हैं, तो उसे करने की कोशिश क्यों करते हैं।”  कुछ सालों के बाद 2008 में उसी Ford Company का Jaguar-Land Rover एक असफल परियोजना साबित हुआ और रतन टाटा ने इस Jaguar के पूरे Project को खरीद लिया । इस बार उसी Ford Company के Chairman के शब्द था-  “आप हमारी कम्पनी खरीदकर हम पर उपकार कर रहे हैं ।”  Ford Car बनाने वाली Company के संस्थापक Ford Company से पहले 5 और कम्पनियाँ स्थापित करने की असफल कोशिश कर चुके थे और Ford Company स्थापित करते समय आर्थिक रूप से पूरी तरह से बर्बाद थे । | | |
| दुनिया के सबसे ज्यादा बिकने वाले Novel, Harry Potter के लेखक  जे.के. राउलिंग, एक मामूली Waiter थे और इस Novel को कोई भी प्रकाशक प्रकाशन करने के लिए तैयार नहीं था । ये निबन्ध केवल इसलिए प्रकाशित हो सका, क्योंकि इसके प्रकाशक की 8 वर्ष की बेटी ने अपने पिता से इसे प्रकाशन करने की भीख मांगी थी और प्रकाशक अपनी बेटी की गिड़गिड़ाहट भरी मांग को अस्वीकार न कर सका।  मज़हूर Basketball Player, Michael Jordan को उनकी School Team में Select करने लायक भी नहीं समझा गया था।  Albert Einstein 4 साल की उम्र तक बोल नहीं पाते थे और Autism नाम की बीमारी के शिकार थे। लेकिन उन्हीं के गणितीय व भौतिकी के सिद्धांतों की वजह से Modern Science अंतरिक्ष की दूरियॉं नाप रहा है ।  1998 में लेरी पेज व सर्गे ब्रिन अपने Search Ranking Concept को मात्र 10 लाख में बेच देना चाहते थे लेकिन Yahoo व AltaVista जैसे उस समय के बड़े Search Engines ने उनके Search Ranking Concept को ये कहकर पूरी तरह से अस्वीकृत कर दिया था कि “अब एक और Search Engine की जरूरत नहीं है ।”  ऐसा कहा जाता है कि Ludwig van Beethoven एक मात्र ऐसे Musician थे, जो Music को लिख सकते थे, क्योंकि काफी कम उम्र में ही वे पूरी तरह से बहरे हो गए थे और उनके द्वारा दिए गए 4 सबसे अधिक प्रभावशाली Music Compositions तब बनाए गए थे, जब वे पूरी तरह से बहरे हो चुके थे।   प्रत्येक सफल होने वाले व्यक्ति का अनुभव है कि हर असफलता, सफलता की सीढ़ी का एक पायदान होती है। इसलिए एक कोशिश और कीजिए । कौन जाने, आप आपकी सफलता की सीढ़ी के आखिरी पायदान पर खड़े हों और आपकी यही कोशिश, आपकी सफलता के लिए आखिरी कोशिश हो क्योंकि यदि 9999 बार असफल होने के बाद एडीसन ने 10000वीं बार अपनी अन्तिम कोशिश न की होती, तो शायद हम आज भी दीपक या चिमनी की रोशनी में ही जी रहे होते ।  सुनिल कुमार  सहायक व्याख्याता तथा अनुदेशक | | |
| **कलियुग**  **यह युग है, कलियुग-**  **सब हो रहे हैं, उल्टा-पुल्टा ।**  **सब जी रहे हैं, ‘स्व’ लाभ पाने को,**  **सब जी रहे हैं, द्वन्द-स्पर्धा भावना से,**  **सब देख रहे हैं, औरों को नीचे करने को**  **सब जी रहे है, औरों के सर्वनाश केलिए ।**  **फिर भी ..............**  **घूम रहा है, यह युग ।**  **चल रही है, धोखाबाजी, सब कहीं,**  **चल रहा है, भ्रष्टाचार, सब कहीं,**  **चल रहा है, काला बाज़ार , सब कहीं,**  **चल रहा है, लूट-मार, सब कहीं ।**  **फिर भी ..............**  **घूम रहा है, यह युग धीरे-धीरे ।**  **इस युग में गुरु-शिष्य संबंध नहीं –**  **मिलने पर नमन न करते,**  **इस युग में पिता पुत्र संबंध नहीं -**  **स्नेह-मिलन का समय न मिलता,**  **इस युग में बच्चे-बच्चे का रिशता नहीं –**  **खेलने का समय न मिलता,**  **इस युग में दोस्त-दोस्ती संबंध नहीं,**  **आपस में विश्वास न करते । फिर भी ..............**  **घूम रहा है, यह युग धीरे-धीरे ।**  **बोल रहा है, इस युग के कारण...**  **हो रहा है, सब कुछ उल्टा-उल्टा**  **हो रही है, असंख्य आधी-व्याधी,**  **हो रहा है, देश भर युद्ध-लड़ाई**  **हो रहा है, समुद्र देव का संहार तांडव । फिर भी ..............**  **घूम रहा है, यह युग**  **एक सुनहरे युग की लक्ष्य में ।।**  गिरिजा कुमारी डी.टी.,.  गस्ट फैकल्टी(हिन्दी) | | |
| **शिक्षक की अनमोल सीख**  एक शिक्षक अपने एक संपन्न परिवार के युवा शिष्य को अपने साथ एक खेत की तरफ टहलने के लिए ले गया। बहुत दूर जाने के बाद खेतो के बीच किनारे उस शिष्य को रास्ते में पुराने हो चुके एक जोड़ी जूते उतरे देखे जो शायद उस खेत में काम करने वाले किसी गरीब मजदूर के थे । वह मजदूर जल्दी-जल्दी अपना काम पूरा कर घर जाने की तैयारी कर रहा था, ऐसा लग रहा था कि वह बहुत जल्दी में हैं । शिष्य को उस मजदूर के साथ मजाक करने का मन हुआ और उसने अपने शिक्षक से कहा, “गुरु जी क्यों न हम यह जूते कहीं छिपा दें और फिर झाड़ियों के पीछे छिप कर देखें कि वह मजदूर जूते न पाकर क्या करता है । शिक्षक ने बड़े ही गंभीरता से उस शिष्य से कहा, “किसी गरीब के साथ इस तरह का भद्दा मजाक करना ठीक नहीं है । क्यों ना तुम इन जूतों में कुछ रूपए डाल दो और फिर देखो की उस मजदूर पर क्या प्रभाव पड़ता है । शिष्य ने अपनी जेब से 200 रूपए निकाल कर उस पुराने जूते में छिपा दिए, और दोनों पास की झाड़ियों में छुप गए ।  कुछ देर बाद ही मजदूर उस जगह आ गया जहां जूते रखे हुए थे । पहले तो उसने अपने पैरों में चुभे कांटे निकाले और फिर उसने जैसे ही एक पैर जूते में डाले, उसे जूते में किसी चीज का आभास हुआ । उसने जल्दी  से जूते हाथ में लिए और देखा की जूते के अन्दर 100-100 के दो नोट रखे हुए हैं। उस मजदूर को बहुत ही आश्चर्य हुआ । वह उन 200 रूपए को लेकर बड़े गौर से उन्हें पलट-पलट कर देखने लगा ।  मजदूर ने खेतो के चारो ओर देखा। उसे  दूर-दूर तक कोई नज़र नहीं आया तो उसने वह 200 रूपए अपनी जेब में रख लिए और मजदूर बहुत ही भावविभोर हो गया, उसकी आँखों में आंसू आ गए । उसने हाथ जोड़ ऊपर देखते हुए कहा - ”हे भगवान, तेरा बहुत धन्यवाद जो तुमने समय रहते मुझे 200 रुपयों दे दिए और उस अनजाने व्यक्ति का भी लाख-लाख धन्यवाद, आज उसकी सहायता और दयालुता के कारण मैं मेरी बीमार पत्नी को दवा और भूखें बच्चों को रोटी खिला सकूँगा ।” | | |
| उस मज़दूर की बातों को सुनकर पास ही छाडि़यों में छिपे शिक्षक और शिष्य की आँखों में आँसू भर आए । शिक्षक ने अपने धनी शिष्य से कहा, “क्या तुम उसके साथ मजाक करते वह अच्छा था या तुमने उसके पूराने जूतों में कुछ रूपए ड़ाल दिए वह अच्छा है।  शिष्य बोला, “सर आपके कारण आज मुझसे बहुत बड़ा पाप होते-होते बच गया। आपके द्वारा आज जो पाठ मैंने सीखा है, उसे मैं अपने पूरे जीवन याद रखूँगा। आज मैं उन शब्दों का मतलब समझ गया हूँ जिन्हें मैं पहले कभी नहीं समझ पाया था कि लेने  की अपेक्षा देना कहीं अधिक आनंददायी है ।  सुनिल कुमार  सहायक व्याख्याता तथा अनुदेशक  जड़ें और कंद/വേരുകളും കിഴങ്ങുവർഗ്ഗങ്ങളും/**Roots and tubers**   |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | |  | Beat root | ബീറ്റ് | चुकन्दर | |  | Carrot | ക്യാരറ്റ് | गाजर | |  | Colocasia | ചേമ്പ് | अरवी | |  | Khamealu | കാച്ചിൽ | चुप्री आलू | |  | Lotus root | താമര കിഴങ്ങ് | कमल की जड | |  | Mango ginger | മാങ്ങാ ഇഞ്ചി | आम हल्दी | |  | Onion(big) | ഉള്ളി(സവാള) | प्याज(बडा) | |  | Onion(small)Red Onion | ചുമന്നുള്ളി | प्याज(छोटा) | |  | Potato | ഉരുളക്കിഴങ്ങ് | आलू | |  | Radish | മുള്ളങ്കി | मूली | |  | Sweet Potato | മധുരക്കിഴങ്ങ് | शकरकन्द | |  | Tapioca | കപ്പ, മരച്ചീനി | सिमला आलू | |  | Turnip | ..... | षेगाम | |  | Yam(elephant) | ചേന | ज़मीन कन्द | |  | Yam(ordinary) | ചേന(സാധാരണ) | रतूला |  |  | | --- | | **मूल्य का चट्टान**  **मैं चट्टान हूँ..**  **जीवन के रखवाले खुदा ने**  **बनाया, मुझे ..**  **काला, घटिया, कठिन व कठोर सा ।**  **मैं सुन रहा हूँ....**  **तुम्हारी लोरी**  **लालच का नाच,चाँदनी रात पर**  **लहरों के आघात, मेरे पैरों पर ।**  **बुरे दिन के बारिश में,**  **प्रहार दिया तू मेरे वक्ष पर**  **चमड़ा फाड़ दिया बार-बार**  **मैं सर्व सहन करता हूँ , सब कुछ**  **जो, जीवन बीते , मेरे भरोसे पर ।**    **मैं चट्टान हूँ..**  **सत्य के रखवाले खुदा ने**  **इसलिए बनाया, मुझे ..**  **मूल्य का चट्टान**  **आधार न होने पर**  **ले जाएगी सजीवन,**  **लालच की लहरों में ।।**  साबू आन्टणी एन.,  कार्यालय अधीक्षक | | | |
| ..................... विष्णु शर्मा  एक गांव में मनोहर और धर्मचंद नामक दो दोस्त रहते थे । वे परदेश से धन कमाकर लाये तो उन्होंने सोचा कि धन घर में न रखकर कहीं और रख दें, क्योंकि घर में धन रखना खतरा है । इसलिए उन्होंने धन नीम के पेड की जड में गड्ढा खोदकर दबा दिया ।  दोनों में यह भी समझौता हुआ कि जब भी धन निकालना होगा साथ-साथ आकर निकाल लेंगे । मनोहर भोला,  इमानदार और नेक दिल इंसान था , जबकि धर्मचंद बेईमान था । वह दूसरे दिन चुपके से आकर धन निकालकर ले गया, उसके बाद वह मनोहर के पास आया और बोला – कि चलो कुछ धन निकाल लाये । दोनों मित्र पेड के पास आये तो देखा कि धन गायब है ।  धर्मचंद ने मनोहर पर आरोप किया - धन तुमने ही चुराया है। दोनों मे झगडा होने लगा । बात राजा तक पहूंची तो राजा ने कहा – कल नीम की गवाही के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा । ईमानदार मनोहर ने सोचा कि ठीक है नीम भला झूठ क्यों बोलेगा ?  धर्मचंद भी खुश हो गया । दूसरे दिन राजा उन दोनों के साथ जंगल में गया । उनके साथ ढेरों लोग भी थे ।  सभी सच जानना चाहते थे । राजा ने नीम से पूछा – हे नीमदेव बताओं धन किसने लिया है ?  मनोहर ने !! नीम की जड से आवाज आई ।  यह सुनते ही मनोहर रो पडा और बोला – महाराज! पेड झूठ  नहीं बोल सकता इसमें अवश्य ही कुछ धोखा है । कैसा धोखा ? मैं अभी सिद्ध करता हूं महाराज । यह कहकर मनोहर ने कुछ लकड़ियाँ इकट्ठा करके पेड के तने के पास रखी और फिर उनमें आग लगा दी ।  तभी पेड़ से “बचाओ ! बचाओ!” की आवाज़ आने लगी ।  राजा ने तुरंत सिपाहियों को आदेश दिया कि जो भी हो उसे बाहर निकालों ।  सिपाहियों ने फौरन पेड़ के खों में बैठे आदमी को बाहर खींच लिया । उसे देखते ही सब चौंक पडे । वह धर्मचंद का पिता था । अब राजा को सारा माजरा समझ गया । | | |
| उन्होंने पिता –पुत्र को जेल में डलवा दिया और उसके घर से धन जब्त करके मनोहर को दे दिया । साथ ही उसकी ईमानदारी सिद्ध होने पर और भी बहुत सा धन दिया ।  **गुण पाठ:-**  विपरीत परिस्थितियों में  हमेशा शान्ति और सोच समझकर काम करना चाहिए ।  अगर मनोहर अपनी समझ से पेड़ के तने में आग न लगाता तो वही असली चोर माना जाता । लेकिन मनोहर ने अपनी समझ-बुझ से काम लिया और धर्मचंद का भांडा फोड़ दिया । इसलिए जब आप कठिन परिस्थिति में है तो डरने की बजाय उसका सामना करने की हिम्मत करें और शांत होकर अपने दिमाग से फैसले लें ।  --------------------------------------------------------------------------------------------------  **माँस खाद्य/ FLESH FOODS**   |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | |  | Beef | ഗോമാംസം | गाय का गोष्ट | |  | Buffalo | പോത്തിറച്ചി | भैंस का गोष्ट | |  | Duck | താറാവ് | बतख | |  | Egg(Duck) | താറാമുട്ട | बतख का अंडा | |  | Egg(Hen) | കോഴി മുട്ട | मुर्गी का अंडा | |  | Egg(Turtle) | ആമ മുട്ട | कच्छुआ का अंडा | |  | Fowl | കോഴി | मुर्गा | |  | Goat meat | ആട്ടിറച്ചി | बकरी का गोष्ट | |  | Grey quail | കുയിൽ | बाटैयर | |  | Liver(goat) | ആട്ടിൻ കരൾ | बकरी का जिगर | |  | Liver(Sheep) | ചെമ്മരിയാട്ടിൻ കരൾ | कलीजा जिगर | |  | Mutton | ആട്ടിറച്ചി | बकरी का गोष्ट | |  | Pigeon | പ്രാവ് | कबूतर | |  | Pork | പന്നി ഇറച്ചി | सुअर का गोष्ट | |  | Turtle meat | ആമയിറച്ചി | कच्छुआ का गोष्ट | |  | Venison | മാനിറച്ചി | हरण का गोष्ट | | | |
| |  | | --- | | **भारत की पहली महिला पर**  **कुछ सामान्य ज्ञान लीजिए....................**  1: अशोक चक्र प्राप्त करने वाली पहली महिला कौन थी?  उत्तर: निर्जा भानोत  2. अंग्रेजी चैनल पार करने वाली पहली महिला कौन थी?  उत्तर: आरती साहा  3. भारत रत्न प्राप्त करने वाली पहली महिला कौन थी?  उत्तर: इंदिरा गांधी  4.: ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली महिला कौन थी?  उत्तर: आशापुरा देवी  5.: स्कूल में प्रथम महिला मुख्याध्यापक कौन था?  उत्तरः सावित्रीबाई फुले  6. प्रश्न: अंटार्कटिका पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?  उत्तर: महेल मुसा  7. अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति का एक सदस्य बनने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?  उत्तर: नीता अंबानी 2016  8. प्रथम महिला विश्वविद्यालय?  उत्तर: पुणे में एसएनडीटी  विश्वविद्यालय  9 केंद्रीय मंत्रिमंडल पद धारण करने वाली पहली महिला कौन थी?  उत्तर: विजया लक्ष्मी पंडित  10 स्वतंत्र भारत का प्रथम महिला राज्यपाल कौन था?  उत्तर: सरोजिनी नायडू  11 प्रश्न: यूएन महासभा के प्रथम महिला राष्ट्रपति कौन थे?  उत्तर: विजय लक्ष्मी पंडित  12 भारत का प्रथम महिला प्रधान मंत्री कौन था?  उत्तर: इंदिरा गांधी | |  | |  | | 13: भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी कौन था?  उत्तर: किरण बेदी  14: नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला कौन थी?  उत्तर: मदर टेरेसा  15: माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?  उत्तर: बायेंचंद्र पाल  16: बुकर पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?  उत्तर: अरुंधती रॉय  17: पहली महिला राष्ट्रपति कौन था?  उत्तर: प्रतिभा पाटिल  18: लोकसभा के प्रथम महिला अध्यक्ष कौन थे?  उत्तर: मीरा कुमार  1 9: "मिस वर्ल्ड" बनने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?  उत्तर: रीता फरीया  20 सुप्रीम कोर्ट में प्रथम महिला न्यायाधीश कौन था?  उत्तर: मीरा साहिब फातिमा बीबी  21: प्रथम महिला राजदूत कौन था?  उत्तर: मिस सी.बी. मुथम्मा  22: माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाली पहली महिला कौन थी?  उत्तर: संतोष यादव  23 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम महिला राष्ट्रपति कौन थे?  उत्तर: आनी बेसेंट  24: भारतीय राज्य का प्रथम महिला मुख्यमंत्री कौन था?  उत्तर: सुचेता कृपालिनी  25: संघ लोक सेवा आयोग का प्रथम महिला अध्यक्ष कौन था?  उत्तर: रोज मिलियन बेथ्यू  गिरिजा कुमारी डी.टी.,.  गस्ट फैकल्टी(हिन्दी) | | | |

|  |
| --- |
| 13: भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी कौन था?  उत्तर: किरण बेदी  14: नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला कौन थी?  उत्तर: मदर टेरेसा  15: माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?  उत्तर: बायेंचंद्र पाल  16: बुकर पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?  उत्तर: अरुंधती रॉय  17: पहली महिला राष्ट्रपति कौन था?  उत्तर: प्रतिभा पाटिल  18: लोकसभा के प्रथम महिला अध्यक्ष कौन थे?  उत्तर: मीरा कुमार  1 9: "मिस वर्ल्ड" बनने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?  उत्तर: रीता फरीया  20 सुप्रीम कोर्ट में प्रथम महिला न्यायाधीश कौन था?  उत्तर: मीरा साहिब फातिमा बीबी  21: प्रथम महिला राजदूत कौन था?  उत्तर: मिस सी.बी. मुथम्मा  22: माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाली पहली महिला कौन थी?  उत्तर: संतोष यादव  23 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम महिला राष्ट्रपति कौन थे?  उत्तर: आनी बेसेंट  24: भारतीय राज्य का प्रथम महिला मुख्यमंत्री कौन था?  उत्तर: सुचेता कृपालिनी  25: संघ लोक सेवा आयोग का प्रथम महिला अध्यक्ष कौन था?  उत्तर: रोज मिलियन बेथ्यू  गिरिजा कुमारी डी.टी.,.  गस्ट फैकल्टी(हिन्दी) |